समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की जताई इच्छा

Publisher

Published on 10 Sep 2025

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में पिछले कुछ समय से कई उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को लेकर लगातार वार्ता चल रही है, और अब इस दिशा में एक सकारात्मक मोड़ आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे के साथ व्यापार वार्ता और सहयोग की अपनी सकारात्मक इच्छाओं का इज़हार किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया, "भारत और अमेरिका करीबी मित्र और प्राकृतिक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएँ भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करेंगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को शीघ्र समाप्त करने के लिए कार्यरत हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने के लिए उत्सुक हूँ। हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।"

प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान से स्पष्ट होता है कि भारत व्यापारिक संबंधों को सिर्फ आर्थिक हित के लिए ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के स्थायी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के रूप में देख रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "मैं अपने बहुत अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी से आगामी हफ्तों में बात करने के लिए उत्सुक हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि हमारे दोनों देशों के लिए सफल निष्कर्ष पर पहुँचने में कोई कठिनाई नहीं होगी।" राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश दर्शाता है कि अमेरिका भी भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने और आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए सकारात्मक रूप से प्रतिबद्ध है।

हाल के महीनों में, भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में कुछ तनाव देखा गया था। अमेरिका ने भारतीय वस्त्रों और तकनीकी आयातों पर अतिरिक्त टैरिफ़ लगाए थे। इसके चलते दोनों देशों के व्यापार घाटे और आर्थिक संतुलन पर असर पड़ा।

हालांकि, दोनों देशों के नेताओं के नवीनतम बयानों से यह संकेत मिलता है कि वे आपसी व्यापारिक मतभेदों को सुलझाकर सहयोग को नई दिशा देना चाहते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024 में लगभग $129 बिलियन तक पहुंचा था। हालांकि, अमेरिका को $45.8 बिलियन का व्यापार घाटा हुआ था। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते सफल होते हैं, तो यह न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक बाजारों और निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार सहयोग में नई नीतियों और रणनीतियों के साथ निवेश और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इससे भारत की टेक्नोलॉजी, फार्मास्युटिकल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अवसर बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों से स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। आने वाले महीनों में दोनों देशों की टीमें विस्तृत वार्ता और समझौते पर काम करेंगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस पहल से न केवल व्यापार में वृद्धि होगी, बल्कि रोजगार, निवेश और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

भारत-अमेरिका साझेदारी केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। दोनों देश तकनीकी, सुरक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाकर वैश्विक स्थिरता और विकास में योगदान दे सकते हैं। इस कदम से वैश्विक निवेशक भारत और अमेरिका दोनों में अवसर देखेंगे, और यह आर्थिक सहयोग को और भी मजबूती प्रदान करेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के इस सकारात्मक दृष्टिकोण से व्यापारिक माहौल में सुधार आएगा। इससे कंपनियों और निवेशकों को लंबी अवधि के लिए लाभकारी साझेदारी के अवसर मिलेंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.